

ओ साईयाँ मेरे

(ओंखे सौंखे राहां 'चों, कदाहीं मेरे मालका,
सदा हँक सँच दी, खदाहीं मेरे मालका ।
पिँढे पढताउना पवे, पा के नीवीं जिस तों,
कौडी औसा कंम ना, कदाहीं मेरे मालका ॥)

ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,
तुँ सौहटे सौहटे, लेख लिख दे ।
ओ सतिगुरु मेरे, कलम हँष तेरे,
तुँ सौहटे सौहटे, लेख लिख दे ।
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,
तुँ सौहटे सौहटे, लेख लिख दे ।

मेरे लिख दे तुँ*, लेख वे लिखारीआ ।
रंग लेखं विच*, भर दे ललारीआ ॥
ओ साईयाँ मेरे, मैं आवां दर तेरे,
तुँ सौहटे सौहटे, लेख लिख दे,,,
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,,,,,,,,F

किसे होर मैं* लिखारी तें लिखाणा नहीं ।
हो तेरा लिखां तां*, किसे ने मिटाणा नहीं ॥
ओ साईयाँ मेरे, मैं आवां दर तेरे,
तुँ सौहटे सौहटे, लेख लिख दे,,,
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,,,,,,,,F

तुँ तां दिलां दीआं*, जाते साईयाँ मेरिआ ।
हो चंगे माझे तुँ*, पढाते साईयाँ मेरिआ ॥
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,
तुँ सौहटे सौहटे, लेख लिख दे,,,
ओ साईयाँ मेरे, कलम हँष तेरे,,,,,,,,F

अपलेंडर- अनिलरामुरतीबेपाल

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29038/title/oh-saiyan-mere>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद लें ।